जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

20 मार्च, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

एकेडेमिक और सांस्कृतिक संबंधों की सुदृढ़ता के लिए उज्बेक राजदूत ने किया जामिया का दौरा

भारत में उज्बेकिस्तान के राजदूत महामहिम सरदोर रुस्तमबेव ने आज जामिया मिल्लिया इस्लामिया का दौरा किया, ताकि विश्वविद्यालय और उज्बेकिस्तान के प्रमुख संस्थानों के बीच अकादमिक सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए रास्ते तलाशे जा सकें। यह विज़िट अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी को बढ़ावा देने और दोनों देशों के बीच शैक्षिक सहयोग को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अपनी विज़िट के दौरान, उज्बेक राजदूत ने जामिया के कुलपति प्रोफेसर मजहर आसिफ, रजिस्ट्रार और वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ चर्चा की। यह चर्चा सहयोगी कार्यक्रमों के विकास, छात्र और संकाय विनिमय पहल, संयुक्त शोध परियोजनाओं, संयुक्त प्रकाशनों और उज्बेक विश्वविद्यालयों के साथ अकादमिक साझेदारी पर केंद्रित थी।

कुलपति प्रोफेसर मजहर आसिफ ने संभावित सहयोग के लिए अपना उत्साह व्यक्त किया, वैश्विक शैक्षणिक जुड़ाव के लिए जामिया की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "जामिया मिल्लिया इस्लामिया हमेशा से ही अकादमिक उत्कृष्टता और सांस्कृतिक समझ के विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय संबंधों को बढ़ावा देने में सबसे आगे रहा है। हम दोनों देशों के छात्रों और विद्वानों के लिए अवसर पैदा करने के लिए उज्बेक संस्थानों के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं।"

सांस्कृतिक आदान-प्रदान पहल के क्रम में, दोनों पक्षों ने भारतीय और उज्बेक विरासत की आपसी समझ को बढ़ावा देने के लिए अकादमिक सम्मेलनों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और भाषा कार्यक्रमों के आयोजन पर चर्चा की। सामाजिक विज्ञान, भाषा अध्ययन और अनुसंधान जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग पर विशेष जोर दिया गया जो दोनों देशों के विकास लक्ष्यों के अनुरूप है।

जामिया के गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए माननीय राजदूत ने जामिया की सराहना की और भारत-उज्बेक संबंधों को मजबूत करने में अकादमिक कूटनीति के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, "शिक्षा एक पुल है जो देशों को जोड़ता है। जामिया के साथ सहयोग करके, हम ऐसे अकादमिक अवसर बनाने की उम्मीद करते हैं जो उज्बेकिस्तान और भारत के छात्रों और शोधकर्ताओं को समान रूप से लाभान्वित करेंगे।" इस विज़िट से उज़्बेकिस्तान के दूतावास के सक्रिय समर्थन के साथ जामिया और उज़्बेक विश्वविद्यालयों के बीच औपचारिक समझौतों का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है, जिससे एक मजबूत शैक्षिक साझेदारी के लिए मंच तैयार होगा।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया